प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मल्टी–स्टेक होल्डर कंसलटेटिव वर्कशॉप का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलपति सभागर में भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय ने प्रधानमंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद के तत्वाधान में नेशनल डीप टेक स्टार्टअप नीति का ड्राफ्ट तैयार किया है। ड्राफ्ट में सुधार हेतु मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के संयोजन से कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में नेशनल डीप टेक स्टार्टअप पॉलिसी पर 'मल्टी–स्टेक होल्डर कंसलटेटिव वर्कशॉप' का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से जनमानस लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक सक्षम है और इनके प्रयासों से ही विश्वविद्यालय आज खाद्यान्न के क्षेत्र में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, डेयरी, खाद्य प्रबंधन आदि में कार्य किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ के मध्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए स्टार्टअप को बढ़ावा देना हैं। कार्यशाला में वैज्ञानिकों द्वारा विचार–विमर्श की संस्तुति के माध्यम से ड्राफ्ट में सुधार किये जा सकेंगे।

इस अवसर पर पीएसए भारत सरकार के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट श्री सनिद पाटिल तथा सीनियर मैनेजर श्री प्रकाश मिश्रा ने ड्राफ्ट के बारे में बताते हुए कहा कि नीति के प्राथमिकता वाले 9 क्षेत्र जिसमें शोध, विकास एवं नवाचार को सुदृढीकरण; बौद्धिक सम्पदा व्यवस्था को मजबूत करना; वित्त प्राप्ति को सुविधाजनक बनाना; साझा बुनियादी ढांचे एवं संसाधन साझाकरण को सक्षम करना; अनुकूल विनियम, मानक और प्रमाणपत्र तैयार करना; मानव संसाधनों को आकर्षित करना और क्षमता निर्माण शुरू करना; प्रोक्योरमेंट एवं अपनाने को प्रोत्साहित करना; नीति और कार्यक्रम अंतर्संबंध सुनिश्चित करना एवं डीप टेक स्टार्टअप को बनाये रखना है। नीति के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के आधार पर कार्यशाला के लिए प्रमुख तीन बिन्दुओं क्रमशः कार्यशाला क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य; नीति प्रभाव; पारिस्थितिकी तंत्र निर्माण एवं समावेशिता पर विचार–विमर्श एवं संस्तुति की गयी।

कार्यशाला के प्रारम्भ में डा. एस.डी. सामन्तराय, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, कप्यूटर इंजीनियरिंग ने कार्यशाला की रूप–रेखा बतायी। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण सहित आईआईएम काशीपुर के अधिष्ठाता, निदेशक एवं संकाय सदस्य, आईआईटी रूडकी, एसटीपीआई देहरादून, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, टीयूएलएएस एवं इनक्यूबेटर स्टार्टअप द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार